दिल की धड़कन

13

अकसर जब मम्मी पार्थ को डॉक्टर अंकल के पास ले जाती हैं, तो वह रुआँसा-सा हो जाता है। उसे सूई देखते ही चक्कर आने लगता है। डॉक्टर अंकल जब उसकी छाती पर स्टेथस्कोप लगाते तब वह खिलखिलाकर हँस पड़ता।

स्टेथस्कोप की अपनी ही एक मज़ेदार कहानी है।

आवनबर्गर एक मिलिटरी अस्पताल में डॉक्टर थे। वे मानव सेवा को ही अपना धर्म मानते थे। आवनबर्गर अकसर छाती की बीमारी के रोगियों को देखते थे। उन्हें छाती से संबंधित बीमारियों का इलाज अंदाज़ से करना पड़ता था। रोगी अपने रोग के जो लक्षण बताता, उसी से अनुमान कर इलाज करना पड़ता था। एक दिन वे एक महिला रोगी की जाँच कर रहे थे। उन्हें छाती के अंदर का हाल पता नहीं चल रहा था। महिला ठीक से कुछ बताने में असमर्थ थी। वे परेशान हो उठे और वे सोच में डूब गए कि आखिर क्या उपाय करें? वे दो-तीन दिनों तक इसी उधेड़बुन में रहे कि इस समस्या का समाधान कैसे निकालें?

शब्दार्थ रुआँसा – रोने के निकट; अंदाज़ – अनुमान; असमर्थ – अयोग्य, अशक्त; उधेड़बुन – सोच-विचार, उलझन; समाधान – समस्या को हल करने की युक्ति।

आखिरकार आवनबर्गर को एक रास्ता सूझा। उन्हें ध्यान आया कि वे बचपन में अपने पिता के साथ अकसर उनके कारखाने जाया करते थे। कारखाने में छोटे-बड़े पीपे रखे होते थे। उनके पिता जब भरे हुए पीपे को अपने हाथ से ठकठकाते तो भारी-भारी आवाज़ निकलती थी। जब खाली पीपे को ठकठकाते तो हल्की और खोखली आवाज़ आती थी। बस आवनबर्गर को तरकीब सूझ गई। अगले दिन उन्होंने अपने मरीज़ की छाती को हाथ की उँगलियों से ठकठकाना शुरू किया। अगर फेफड़ों के पास द्रव भरा होता था तो भद-भद की भारी आवाज़ आती और यदि फेफड़ों में हवा भरी होती तो आवाज़ खोखली होती। इस प्रकार आवनबर्गर को इलाज करने में सफलता मिली। बाद में इसी विषय पर उन्होंने किताब भी लिखी।

दुनियाभर के अनेक डॉक्टर इस किताब के अनुसार ही इलाज करने लगे। सन् 1889 में एक फ्रांसीसी डॉक्टर रेने ने महसूस किया कि कई बार छाती को हाथ से ठकठकाने के बावजूद भी कोई आवाज़ नहीं सुनाई देती। एक बार जब वह अपने दवाखाने से निकलकर घर जा रहे थे, उनकी नज़र सड़क के किनारे खेलते बच्चों पर पड़ी। यह बच्चे बाँस की लकड़ी के एक पटरे के दूसरे किनारे पर कान लगाकर सुन रहे थे। अब क्या था? रेने को अपनी समस्या का हल मिल गया। उन्होंने एक लंबे कागज़ को अच्छी तरह मोड़कर एक सिरे को रोगी की छाती से सटाया और दूसरे सिरे पर कान लगाकर सुनने लगे। उन्हें रोगी के दिल की धड़कन साफ़ सुनाई देने लगी।

बस फिर क्या था? स्टेथस्कोप का आविष्कार हो गया।

शब्दार्थ द्रव – तरल, पिघला हुआ।

अध्यापकों के लिए

स्त्री – सामान्य नारी
भार्या – जिसका भरण-पोषण किया जाए, पत्नी।
महिला – संभ्रांत नारी

Class 5 Hindi II L-13 दिल की धड़कन

सारांश

L 13 -

'दिल की धड़कन' एक वैज्ञानिक लेख है, जिसमें स्टेथस्कोप के आविष्कार की कहानी है। जब तक स्टेथस्कोप का आविष्कार नहीं हुआ था तब तक डॉक्टर को रोगी का इलाज करने व रोग को समझने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। कई बार रोगी अपनी बीमारी को बताने में असमर्थ रहता था। डॉक्टर आवनबर्गर को एक महिला के इलाज में ऐसी ही परेशानियाँ आईं। अपनी सूझबूझ से उन्होंने मरीज़ की छाती को हाथ की उँगलियों से ठकठकाकर इलाज करने में सफलता पाई। उन्होंने इस पर किताब भी लिखी। फ्रांसीसी डॉक्टर रेने को अपनी इस समस्या का हल मिला। उन्होंने एक लंबे कागज़ को अच्छी तरह से मोड़कर एक सिरे को रोगी की छाती से लगाया और दूसरे सिरे पर कान लगाकर सुना। उन्हें दिल की धड़कन सुनाई देने लगी। यह सब सड़क के किनारे खेलते हुए बच्चों के कारण संभव हो सका। इस प्रकार स्टेथस्कोप का आविष्कार हुआ।

शब्दार्थ

1- रुआँसा - रोने के निकट
2- अंदाज़ - अनुमान
3- असमर्थ - अयोग्य, अशक्त
4- उधेड़बुन - सोच - विचार, उलझन
5- समाधान - समस्या को हल करने की युक्ति
6- द्रव - तरल, पिघला हुआ

Teacher's Signature

प्रश्न उत्तर

प्र०1= पार्थ डॉक्टर अंकल के पास जाते ही कैसा हो जाता है?
उ०= पार्थ डॉक्टर अंकल के पास जाते ही रुआँसा - सा हो जाता है।

प्र०2= पार्थ कब खिलखिलाकर हँस पड़ता है?
उ०= डॉक्टर अंकल जब पार्थ की छाती पर स्टेथस्कोप लगाते तब वह खिलखिलाकर हँस पड़ता है।

प्र०3= आवनबर्गर कौन थे?
उ०= आवनबर्गर एक डॉक्टर थे।

प्र०4= आवनबर्गर मानव - सेवा को क्या मानते थे?
उ०= आवनबर्गर मानव - सेवा को अपना धर्म मानते थे।

प्र०5= आवनबर्गर रोगियों का इलाज किस प्रकार किया करते थे?
उ०= आवनबर्गर रोगियों द्वारा रोग के लक्षण बताए जाने पर अनुमान से ही रोगियों का इलाज किया करते थे।

प्र०6= महिला का इलाज करने में आवनबर्गर को किस समस्या का सामना करना पड़ रहा था?
उ०= महिला का इलाज करने में आवनबर्गर को बहुत समस्या आई, क्योंकि उन्हें छाती के अंदर का हाल पता नहीं चल रहा था और महिला भी अपना रोग बताने में असमर्थ थी।

प्र०7= आवनबर्गर को इलाज करने की नई तरकीब कैसे सूझी?
उ०= आवनबर्गर बचपन में पिताजी के साथ कारखाने जाया करते थे तो वहाँ पर छोटे - बड़े पीपे रखे होते थे। उनके पिताजी जब भरे पीपे को हाथ से ठकठकाते तो भारी - भारी आवाज़

निकलती और जब खाली पीपे को ठकठकाते तो हल्की और खोखली आवाज़ निकलती थी। इस प्रकार आवनबर्गर को इलाज करने की नई तरकीब सूझी।

प्र०8 = डॉक्टर रेने की खोज के बारे में बताइए।
उ० = डॉक्टर रेने ने स्टेथस्कोप की खोज की।

new Words with english meanings.

Page no. 84
रुआँसा - about to cry
मजेदार - interesting
अंदाज - gussing
लक्षण - symptom
जाँच - inspection
असमर्थ - unable
उधेड़बुन - confusion
समाधान - solution

Page no. 85
कारखाना - factory
पीपे - Container
तरकीब - Idea
फेफड़ों - lungs
द्रव - liquid
दवाखाना - dispensary
बाँस - bamboo
रोगी - Patient
दिल - heart
धड़कन - beat
आविष्कार - Invention

boys,
Read the ch. Properly and learn meanings and Q.Ans.

Teacher's Signature

—x—